सिलाई एवं कटाई

प्रशिक्षण की अवधि - 12 महीने (प्रायः 1650 घंटे)

सैद्धान्तिक (प्रायः ५० घंटे)

१. सिलाई कटाई की परिभाषा, इस कला से लाभ। सिलाई कटाई के साधारण नियम व सिद्धांत। कपड़ा काटने का तरीका तथा नियम। सिलाई करने की प्राथमिक शिक्षा। कपड़ा सिलते समय की सावधानियाँ। सिलाई करते समय बैठने की पद्धति।

२. सिलाई के धागों का विवरण। उनके नम्बर, परिमाण तथा प्रकार। उनका वर्गीकरण तथा प्रयोग। हाथ तथा मशीन की सूई का विवरण, उनके नम्बर, परिमाण तथा प्रकार, उनका प्रयोग।

३. विभिन्न कपड़ों, जैसे सूती, सिल्क, ऊनी तथा रसायनिक पदार्थों से बने कपड़े की बुनावट तथा प्रकार, उनके प्रमाणिक अर्ज। कपड़ों के सीधा-उल्टा एवं आड़ा-खड़ा का ज्ञान। पुरूषों, स्त्रियों तथा बच्चों के लिये कपड़ों का चुनाव।

४. मशीन का इतिहास। सिलाई मशीनों के प्रकार तथा विवरण, उनकी हिफाजत। सिलाई मशीन के भागों एवं पुर्जों के नाम एवं उनके काम की जानकारी। मशीनों में सिलाई (टांके) के तथा अन्य खराबी आने का कारण तथा उन्हें दूर करने का उपाय।

५. सिलाई-कटाई के काम में आने वाले उपकरणों एवं सहायक सामग्रियों का विवरण।

६. मनुष्य के अंगों का नाप लेने का नियम, नाप लेने के साधन तथा उनका प्रयोग। विभिन्न पोशाकों के लिए नाप लेने की पद्धति तथा सिले हुए कपड़ों से नाप निकालने का तरीका। सेन्टीमीटर तथा गिरह का आपसी संबंद्ध। लम्बाई, चौड़ाई (चेस्ट) तथा कंधे के नापों में संबंद्ध।

७. मानव शरीर के प्रकार, उसके विभिन्न भागों की रचना। पोशाकों पर इसका प्रभाव। विभिन्न शरीर वाले मनुष्यों के कपड़े काटने के नियम।

८. पोशाकों की आकृति एवं डिजाईन बनाना। पैटर्न कटिंग, उससे लाभ व ब्लौक। विभिन्न स्टाइलों तथा डिजाईनों के पोशाकों की आकृति बनाना एवं काटना। पोशाक के लम्बाई चौड़ाई (चेस्ट) के अनुसार कपड़े का परिमाण निकालना।

९. सिलाई-कटाई के काम में आने वाले टांको के प्रकार तथा उनका प्रयोग। सिलाई के काम में आने वाले परिभाषिक शब्द तथा पोशाक के खास-खास जगहों के नाम।

१०. कपड़े को सिकोड़ने (श्रिंक करने) का नियम। सिकुड़न से संबंधित गणना। कपड़े को लोहा करने का नियम। लोहे के प्रकार, उनका विवरण। लोहा करने के अन्य साधन। सूखी तथा गीली इस्तरी। तैयार कपड़े की तह लगाना।

११. पोशाक की अनुकूलता (फिटिंग्स) की जांच करना (ट्रॉयल लेना) तथा उसे पूर्ण करना (फिनीशिंग)। सिले हुए कपड़ों में साधारण त्रुटियां, त्रुटियां आने का कारण तथा उनका सुधार। पोशाक को परिवर्तित (अल्टर) करना।

१२. पोशाक की मरम्मत तथा रफ्फू करना एवं पैबंद लगाना।

१३. उम्र के अनुसार पुरूषों, स्त्रियों तथा बच्चों के अंगों के नाम की तालिका।

१४. तैयार कपड़ों का मूल्य निर्धारण करना।

सिलाई - कटाई

क्रियात्मक (प्रायः १६०० घंटे)

व्यवहारिक प्रशिक्षण

१. बटन टांकना, विभिन्न प्रकार के काज बनाना, हुक का लूप बनाना। सिलाई के काम में आने वाली सभी स्टिचें (टांके) बनाना।

२. रफ्फू करना तथा पैबंद (गोल - तिकोना व चौकोर) लगाना, कपड़े की मरम्मत करना। पाईपिंग, झालर तथा चौड़ा उरेबी पाईपिंग लगाना। मशीन से चुन्नट तथा प्लेट डालना।

३. हैनिकम तथा स्मोकिंग बनाना।

४. विभिन्न पोशाकों का डॉयग्राम बनाना। मिल्टन क्लॉथ पर आकृति बनाना। पेपर कटिंग करना। तरह-तरह के डिजाईन बनाना।

५. साड़ी में बॉर्डर लगाना, ज़िप लगाना तथा बेल्ट लगाने का ज्ञान।

६. मशीन चलाने के सही तरीके का ज्ञान, मशीन के पुर्जों को खोल कर साफ करने तथा लगाने का ज्ञान, मशीन में आई खराबी को सुधारने का ज्ञान।

७. बच्चों, स्त्रियों एवं पुरूषों के विभिन्न नापों एवं स्टाईलों के पोशाकों को काटना एवं सिलना। बच्चों के पोशाकों में सुन्दरता लाने के लिए कटाई करना, लेस तथा अन्य चीजों का प्रयोग तथा तरह-तरह के कॉलर बनाना।

उत्पादन कार्य

१. सामान्य चीजें

तकिया खोल, रूमाल, नैपकिंस, टिकोजी, टेबुल कवर, कुशन तथा एप्रन।

२. बच्चों के वस्त्र

बिब, चड्डी तथा जांघिया, बेबी फ्रॉक, गर्ल्स फ्रॉक, लो बॉडी फ्रॉक, वन-पीस फ्रॉक, उरेबी फ्रॉक, अम्ब्रेला फ्रॉक, स्कर्ट (प्लीटेड तथा उरेबी), रॉम्पर तथा स्विम-सूट कॉमबीनेशन, बाबा सूट, स्लेक्स, बेल बॉटम तथा उसका टोप।

३. महिलाओं की पोशाक

जनानी कमीज (ढ़ीला तथा चुस्त), सलवार (अर्ज के अनुसार), चूड़ीदार पैजामा, गरारा एवं शरारा, कलीदार पेटीकोट, ब्रेसियर, ब्लाउज तथा मैक्सी।

४. पुरूषों के वस्त्र

सादा पैजामा तथा अलीगढ़ पैजामा, चूड़ीदार पैजामा, उरेबी बनियान, अन्य बनियान, आधी तथा पूरी आस्तीन की कमीज, (तथा विभिन्न प्रकार के कॉलरों सहित) ओपेन शर्ट तथा टेनिस कोट, शर्ट, हॉफ पैंट, सादा कुर्ता तथा कलीदार कुर्ता, बुशर्ट, टीशर्ट तथा लांग शर्ट, स्लीपिंग सूट, जवाहर बंडी तथी विभिन्न प्रकार के फुल पैंट।